न्यूज डायरी

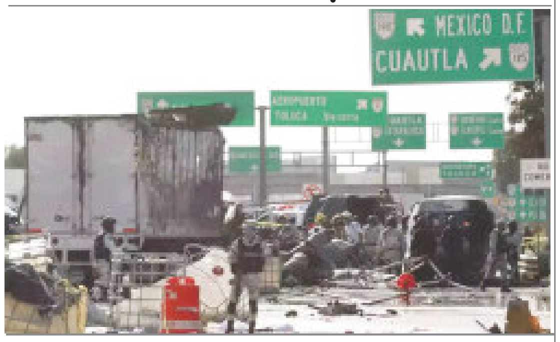

दक्षिणी मेक्सिको में भीषण ट्रक हादसा, 53 शरणार्थियों की मौत, 54 घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टक्स्टला गुटिएरेज (मैक्सिको)। दक्षिणी मैक्सिको में शरणार्थियों को ले जा रहा एक मालवाहक ट्रक पैदल पार पुल पर गुरुवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और 54 अन्य घायल हो गए। संघीय अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बताया कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, हादसे में 53 लोगों मारे गए और घायलों में तीन की हालत गंभीर है। चियापास राज्य के नागरिक सुरक्षा कार्यालय के प्रमुख लुइस मैनुअल मोरेनो ने बताया कि घायलों में से 21 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना चियापास राज्य की राजधानी की ओर जाने वाले एक राजमार्ग पर हुई। घटनास्थल की तस्वीरों में पीड़ितों को फुटपाथ पर और ट्रक के माल डिब्बे के अंदर देखा जा सकता है।

ईरान की परमाणु हथियारों की चाहत पर अमेरिका लगाएगा ब्रेक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। ईरान की परमाणु हथियारों की चाहत से अमेरिका समेत समेत कई देशों का खतरा बढ़ रहा है। इससे निपटने के लिए यूएस अपने स्तर पर तैयारी कर रहा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ईरान के परमाणु कार्यक्रम में चल रही प्रगति को देखते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि वह अपने मकसद में कामयाब ना हो पाए। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने ईरान के मकसद से निपटने के लिए एक टीम तैयार की है, जो अन्य विकल्पों के लिए भी कार्य करेगी। बता दें कि ईरान लगातार इस बात को नकारता रहा है कि वह परमाणु हथियार बनाना चाहता है। वह बार–बार यही कह रहा है कि वह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु तकनीक में निपुण होना चाहता है। उधर, पश्चिमी देश भी ईरान के परमाणु हथियार बनाने की कोशिशों को लेकर चिंतित हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 2015 में हुए परमाणु समझौते को फिर से लागू करना चाहते हैं।

ओमीक्रोन वेरिएंट से जंग के लिए कोरोना वैक्सीन का बूस्टर डोज जरूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। यदि आपको कोविड वैक्सीन का दूसरा टीका लगवाए छह महीने हो गए हैं, तो यह समय है कि आप अपना बूस्टर टीका लगवाने के बारे में सोचें। यह कोविड के खिलाफ अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करेगा, जिसमें नया ओमिक्रोन संस्करण भी शामिल है। हालांकि इस संबंध में प्रमाण अभी आ रहे हैं, लेकिन प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि फाइजर बूस्टर ओमिक्रोन के खिलाफ वही सुरक्षा दे सकता है जैसा कि मूल वायरस के खिलाफ दोहरी खुराक वाले टीकाकरण ने किया था। बूस्टर क्यों लें? जब आपको कोविड वैक्सीन की पहली खुराक मिलती है, तो आपका शरीर स्पाइक प्रोटीन नामक वायरस के एक हिस्से के खिलाफ एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है। कोविड वैक्सीन की एकल खुराक के लिए प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया आम तौर पर अल्पकालिक होती है।

यूएनजीए ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को दिया आब्जर्वर का दर्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) को आब्जर्वर का दर्जा दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने गुरुवार को ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए तिरुमूर्ति ने कहा कि आइएसए वैश्विक ऊर्जा वृद्धि और विकास को लाभ पहुंचाने के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है। तिरुमूर्ति ने अपने ट्वीट में कहा, 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को आब्जर्वर का दर्जा देने का आज संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। छह वर्षों में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक ऊर्जा विकास और वृद्धि के लाभ के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है। सभी सदस्य देशों को धन्यवाद।

सूरज की सतह पर क्या दिखा कि नासा को देनी पड़ी चेतावनी

चेतावनी

अगले दो दिनों में धरती से टकरा सकता है सूरज के निचली सतह से निकला प्लाज्मा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। सूरज की सतह से पैदा हुआ सौर तूफान तेजी से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। इस तूफान की स्पीड को देखकर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिकों ने चेतावनी भी जारी की है। उन्होंने कहा कि सूरज से निकली सौर प्लाज्मा की ये विशाल तरंगें अंतरिक्ष में 10 लाख मील या 1600000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफर कर रही हैं। इन कणों के अगले दो दिनों में पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने की संभावना है। हालांकि, इसका ज्यादा प्रभाव पृथ्वी के दक्षिणी हिस्से में देखने को मिलेगा।

कोरोनल मास इजेक्शन का खतरा नासा ने चेतावनी दी है कि पृथ्वी एक कोरोनल मास इजेक्शन के संभावित प्रभावों को महसूस कर सकती है। यह इस हफ्ते के अंत में धरती से टकराने वाला है। द एक्सप्रेस के अनुसार, सूर्य के निचले हिस्से से निकली प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्र का द्रव्यमान हमारे ग्रह की ओर तेजी

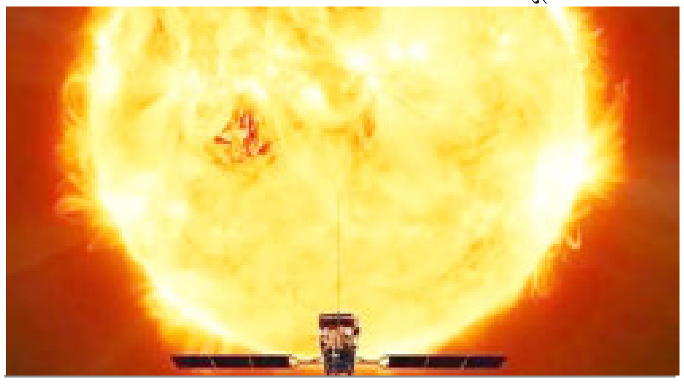

से बढ़ रहा है। ये तरंगें धरती से टकराने के बाद कई मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं।

कोरोनल मास इजेक्शन खतरनाक कैसे?: सूर्य की सतह पर विकिरण के शक्तिशाली विस्फोट से बने ये सोलर फ्लेयर्स अस्थायी रूप से संचार और नेविगेशन ब्लैकआउट का कारण बन सकते हैं। इससे बिजली लाइनें ट्रिप होकर काम करना बंद कर सकती हैं। जिससे पूरी दुनिया के कई हिस्सों में बिजली का प्रवाह रुक जाएगा। नासा ने आगे कहा कि राहत की बात है कि सौर वेधशालाओं का हमारा जाल अंतरिक्ष मौसम के इन आकर्षक घटकों को ट्रैक करने में हमारी सहायता करता है। इसी कारण पृथ्वी पर व्यवधान बिलकुल ही कम है।

सौर तूफान भी कम खतरनाक नहीं सूरज की सतह से पैदा हुए सौर तूफान भी कम खतरनाक नहीं होते हैं। सौर तूफान के कारण धरती का बाहरी वायुमंडल गरमा सकता है जिसका सीधा असर सैटलाइट्स पर हो सकता है। इससे जीपीएस नैविगेशन, मोबाइल फोन सिग्नल और सैटलाइट टीवी में रुकावट पैदा हो सकती है। पावर लाइन्स में करंट तेज हो सकता है जिससे ट्रांसफॉर्मर भी उड़ सकते हैं। हालांकि, आमतौर पर ऐसा कम ही होता है क्योंकि धरती का चुंबकीय क्षेत्र इसके खिलाफ सुरक्षा कवच का काम करता है।

पृथ्वी का दक्षिणी हिस्सा होगा अधिक प्रभावितः स्पेस वेदर फिजिसिस्ट डॉ तमिथा स्कोव ने चेतावनी दी कि सूर्य के सतह पर विस्फोट से पैदा हुईं ये तरंगे पृथ्वी के दक्षिणी हिस्से को अधिक प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि नासा की भविष्यवाणियों से पता चलता है कि हाल ही में हुआ सूर्य का फिलामेंट विस्फोट 11 दिसंबर के अंत तक पृथ्वी के दक्षिण में एक चमकदार रोशनी बिखेर सकता है। इससे रेडियो और जीपीएस में भी हल्का व्यवधान आ सकता है।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के खगोलविदों के मुताबिक, सूर्य के सतह पर दो कोरोनल मास इजेक्शन देखे गए हैं।

अमेरिका की नाक के नीचे चीन को बड़ी सफलता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मनागुआ। चीन ने अमेरिका को उसके घर में ही बड़ा झटका दिया है। अमेरिका के प्रभाव का क्षेत्र कहे जाने वाले लैटिन अमेरिकी देश निकारागुआ ने एक चीन की नीति को मान लिया है और ताइवान की राजनयिक मान्यता को खत्म कर दिया है। निकारागुआ ने चीन के समर्थन में ताइवान से संबंध तोड़ने के ऐलान किया। निकारागुआ के विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने कहा कि चीन के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक वैधानिक सरकार है।

मोनकाडा ने कहा, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र वैधानिक सरकार है और ताइवान चीन के क्षेत्र का अलग नहीं किए जाने वाला हिस्सा है। चीन की सरकारी मीडिया ने भी इस खबर की पुष्टि की है लेकिन बहुत ज्यादा विवरण नहीं दिया है। चीन का दावा है कि ताइवान उसका हिस्सा है और अगर जरूरत पड़ेगी तो वह ताकत के बल पर उस पर कब्जा करेगा।

चीन पिछले कई दशकों से ताइवान के साथ राजनयिक रिश्ता रखने वाले देशों को अपने पाले में लाने के लिए काफी मशक्कत कर रहा है। इससे पहले चीन पनामा, अल सल्वाडोर और डोमिनिकल रिपब्लिकन को अपने पाले में ला चुका है।

कभी चांद को भी ढंक लेता था यह पतंगा, अब अस्तित्व पर संकट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर हजारों साल से मौजूद बोगोंग पतंगे अब अस्तित्व को बचाए रखने के लिए जंग लड़ रहे हैं। इन पतंगों का विशालकाय समूह कभी– कभी आसमान में इस कदर से छा जाता था कि चांद का भी दिखना बंद हो जाता था। इन बोगोंग पतंगों को वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में शामिल किया गया है। हाल के वर्षों में इनकी संख्या में काफी गिरावट आई है जिससे वे अब बहुत कम ही बचे हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर द कन्जरवेशन ऑफ नेचर की ओर से बनाई गई यह सूची अब अपडेट की गई है और उसमें ऑस्ट्रेलिया के 124 विलुप्तप्राय वन्यजीवों को शामिल किया गया है।

सस्ती भी, सुरक्षित भी... कोरोना वायरस को रोकने वाली दो दवाएं मिल गईं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। एक नये अध्ययन में यह दावा किया गया है कि कोविड के कारक सार्स सीओवी–2 वायरस को बढ़ने से रोकने में दो बेहद सामान्य दवाएं कारगर हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि इन दवाओं के काम्बिनेशन में एलर्जी के इलाज में प्रयुक्त होने वाली एंटीहिसटामिइन दवा डाइफेनहाइड्रैमीन भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि बंदरों की कोशिकाओं और मनुष्य के फेंफड़े की कोशिकाओं पर जांच के दौरान यह पता चला कि उक्त दवा को अगर गाय और मां के दूध में पाये जाने वाले प्रोटीन 'लैक्टोफेरिन' के

बंदरों और इंसानों पर किया गया टेस्ट

साथ मिलाया जाए, तो वह सार्स सीओवी 2 के प्रसार को रोकता है। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार, लैक्टोफेरिन का उपयोग सामान्य तौर पर पेट और आंतों के अल्सर सहित कई बीमारियों के इलाज में होता है।

कोरोना के वायरस पर प्रभावी हैं कुछ दवाएं: फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर डेविड ए. ऑस्ट्रोव ने कहा कि हमने पता लगाया है कि कोविड–19 के कारक वायरस पर कुछ दवाएं प्रभावी क्यों हैं। फिर हमने एक एंटीवायरल खोजा जो प्रभावी हो सकता है, वह सस्ता है और उसके सुरक्षित होने का लंबा इतिहास भी है। अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि मनुष्यों और बंदरों की कोशिकाओं पर प्रयोगशाला में जांच के दौरान इन दवाओं का कॉम्बिनेशन बेहद प्रभावी रहा।

30 फीसदी तक वायरस के फैलाव को रोकने में सक्षमः उन्होंने बताया कि अलग–अलग दिए जाने पर ये दवाएं सार्स–सीओवी–2 वायरस के गुणन को करीब 30 प्रतिशत तक रोक पाती हैं, लेकिन साथ मिलकर यह वायरस के गुणन को करीब 99 प्रतिशत तक रोक पा रही हैं। इस अध्ययन का निष्कर्ष 'पैथेजेन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस दवा की मदद से कोविड–19 के इलाज में तेजी आ सकती है।

ताइवान स्ट्रेट पर चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। ताइवान और चीन का विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है। चीन ने ताइवान स्ट्रेट के पास अपनी सेना और सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है। चीन ने यह कदम अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को ताइवान स्ट्रेट में हस्तक्षेप करने से रोकने और अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए उठाया है। चीन ताइवान स्ट्रेट के पास चीनी जहाज से बम गिरा रहा है और अपने सैनिकों को ट्रैनिंग देने के लिए लाइव–फायर का अभ्यास भी कर रहा है। साथ ही दक्षिण चीन सागर के क्षेत्रों में समुद्री खदानें बिछा रहा है। चीन के सबसे लेटेस्ट बमवर्षक विमान एच–6जे ने ज्यादा विस्फोटक हवाई बमों का इस्तेमाल करके लाइव–फायर में एक क्रम के तहत बम गिराने और समुद्री खदान बिछाने का एक साथ अभ्यास भी किया। क्रिस ओसबोर्न ने कहा कि एच–6जे जैसा एक बमवर्षक विमान अमेरिकी नौसेना की पांचवीं पीढ़ी के विमान से जहाज लान्च होने के बाद बहुत ही कमजोर होगा। इसे ड्रोन और नेटवर्क ग्राउंड सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से आसानी से देखा जा सकता है।